Hindi Murli Quiz 22-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **हिम्मतहीन कमजोर संस्कारवश आत्मा अर्थात् कलराठी जमीन में बीज डालते हैं तो मेहनत और समय ज्यादा लगता है और सफलता कम निकलती है, परिणाम स्वरूप ----------कल्याण के कार्य मे सोचने वा करने की फुर्सत नही मिलती । स्व कल्याण या देश कल्याण में ही लगे रहते हैं । इसलिए इस वर्ष मे ----------कल्याणकारी स्थिति की विधि द्वारा ---------- कल्याण की सेवा की गति तीव्र बनाओ । रहमदिल बनो ।**
[निम्नलिखित विकल्पों में से मुरली का उत्तर चयन कर सभी रिक्त स्थान भरें]

A. स्वदेश
B. विश्व
C. जन
D. स्व

Q.2) **वाक्यों को अर्थ अनुसार ही परस्पर मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	जो जितनी आत्माओ को बाप का परिचय देने के निमित्त बनते है,	उतना ही अभी खुशी की प्राप्ति और भविष्य में राज्य पद की प्राप्ति होती है ।
B	टीचर्स को विशेष लिफ्ट की गिफ्ट है,	क्योंकि टीचर्स को सिवाए ईश्वरीय सेवा के और कोई भी बोझ नही ।
C	निमित्त समझने से मायाजीत बन जाते,	डबल लाइट भी बन जाते और सफलता भी मिल जाती ।
D	मै-पन आया अर्थात् माया का गेट खुला,	निमित्त समझा अर्थात् माया का गेट बन्द हुआ ।
E	जो समय पर सहयोगी बनते हैं,	उन्हें एक का पदमगुणा फल मिल जाता है

Q.3) **वास्तव में विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल होना । लेकिन चलते-चलते उनका रहम दो बातो के कारण समाप्त हो जाता है – रहम भाव के बदले वहम भाव पैदा कर देते है और अहम भाव आ जाता है । मुरली में दिये गए वहम भाव के सभी संकल्प चयन करके वहम भाव को स्पष्ट करें --**

A. सब तो राजा बनने वाले नहीं हैं,
B. यह हैं ही ऐसे,
C. यह कभी बदल नही सकते,

Q.4) **विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल आत्मा जो कैसी भी अवगुणधारी आत्मा हो, हरेक आत्मा के प्रति लाफुल और लवफुल होगी । आज की मुरली के अनुसार विश्व कल्याणकारी श्रेष्ठ आत्मा की मुख्य निशानियाँ क्या होगी?**
सभी का चयन करें ---

A. दिन-रात बाप द्वारा शक्तियों का वरदान लेते हुए सर्व को देने वाले दाता होंगे ।
B. अथक, निरन्तर सेवाधारी होंगे ।
C. यही संकल्प होगा कि सर्व को तृप्त अथवा सम्पन्न कैसे बनायें, उनको सम्पर्क और सम्बन्ध में कैसे लाये ।
D. विश्व कल्याणकारी हर सेकेण्ड वा संकल्प विश्व कल्याण के प्रति ही लगायेंगे ।
E. उनके मस्तक और नयनों में सदा विश्व की सर्व आत्माएं स्मृति वा दृष्टि में होंगी ।
F. तन मन और प्राप्त धन सदा विश्व सेवा मे अर्पण करेंगे ।

Q.5) **वास्तव में विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल होना । लेकिन चलते-चलते उनका रहम दो बातो के कारण समाप्त हो जाता है – वहम भाव और अहम भाव । मुरली में दिये गए सभी अहम भाव अर्थात मैं-पन के संकल्प चयन करें जिसके कारण रहमदिल नहीं बन पाते ----**

A. यह कुछ नही कर सकते,
B. यह कुछ नही है ,
C. मैं ही सब कुछ हूँ,
D. मैं सब कुछ कर सकता हूँ

Q.6) **बापदादा द्वारा बताई विधि से समर्थ धरनी बनाने के बाद ऐसी आत्मा प्रति थोड़ी-सी मेहनत करने से, वहम भाव और अहम् भाव न रखने से कमजोर आत्मा में भी परिवर्तन हो जायेगा। चाहे कितना भी कमजोर हो परन्तु "तुम कमजोर हो" नही कहना। पहले समर्थ बनाकर फिर शिक्षा दो। पहले उनकी विशेषता की महिमा करो फिर उसको आगे के लिए और भी श्रेष्ठ आत्मा बनने का साधन, कमजोरी पर अटेंशन दिलाओ। पहले धरनी पर हिम्मत और उत्साह का हल चलाओ फिर बीज डालो तो सहज ही बीज का फल निकलेगा।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.7) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही परस्पर मिलाएं-----**

	Choice	Match
A	हर बात को नॉलेजफुल समर्थ स्थिति द्वारा सहज पास करो,	तो फाइनल स्टेज पर पास विद आनर हो जायेंगे।
B	जब तक स्व स्थिति शक्तिशाली नही होगी,	तो परिस्थिति के ऊपर विजय नही होगी।
C	परिस्थिति प्रकृति द्वारा आती है इसीलिए रचना है ,	स्वस्थिति वाला रचता है तो सदा रचना के ऊपर विजय होती है।
D	अपनी सीट छोड़ते हो तो माया से हार होती,	नीचे नहीं आना, नीचे है ही देह- अभिमान रूपी माया की धूल।
E	हर परिस्थिति में बाप स्मृति मे रहे तो डबल बन गए ,	तो सदा महावीर, मायाजीत और निर्भय रहेंगे।

Q.8) **वर्तमान समय अन्तिम स्वरूप वा अन्तिम कर्तव्य विश्व कल्याण का ही है। लक्ष्य सबका एक ही है विश्व कल्याण करने का, लेकिन कोई अभी तक स्व कल्याण मे ही लगे हुए है, और कोई स्वदेश के कल्याण करने मे लगे हुए है। बहुत थोड़े ही बेहद के बाप समान बेहद अर्थात् विश्व की सेवा मे अथवा विश्व कल्याणकारी स्वरूप में स्थित रहते हैं।**

A. ○ False / ये वाक्य गलत है
B. ◉ True / ये वाक्य सही है

Q.9) **"मास्टर ज्ञान सागर बन गुड़ियों का खेल समाप्त करने वाले ----------स्वरूप भव।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से मुरली अनुसार सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. ○ विष्णु सो ब्रहमा]
B. ○ बालक सो मालिक,
C. ○ ब्रहमा सो विष्णु,
D. ◉ स्मृति सो समर्थ,
E. ○ विष्णु सो ब्रहमा]

Q.10) **वास्तव में विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल होना। लेकिन उनका रहम दो बातो के कारण समाप्त हो जाता है –वहम भाव और अहम भाव। इसलिए स्व कल्याण वा देश कल्याण तक ही रह जाते हैं। ऐसी स्थिति में बापदादा ने बच्चों को विश्व कल्याणकारी बनने के जो सहज साधन बताये हैं उनको स्पष्ट करें –**

A. ☑ विश्व कल्याणकारी,विश्व अधिकारी,मास्टर रचता--इन तीन संबंधों से उसको क्षमा करो।
B. ☑ स्वय तो उसके अवगुण धारण नही करो लेकिन उसको भी अपने अवगुण विस्मृत करा समर्थ बना दो।
C. ☑ उसके बाद उस आत्मा के वास्तविक स्वरूप और गुण को सामने रखते हुए महिमा करो।
D. ☑ संगमयुग की विशेषता वा वरदान क्या है-उसे याद दिलाओ।
E. ☑ कैसी भी अवगुणधारी आत्मा हो, तुम कभी भी उन आत्माओ की बुराई वा कमजोरियों को दिल पर न रखो।